Topic – Preparation Before going into the Class for T.L.

कक्षा मे आने से पूर्व अध्यापक की तैयारी

(ii) उपयुक्त उदाहरणों का चयन करना (Selection of Appropriate examples) – शिक्षण करने से पूर्व अध्यापक को उस प्रकरण को पढाने मे प्रयुक्त करने वाले उदाहरणों, उद्धरणों, व अभ्यास प्रश्नो को सोच विचार कर निश्चित कर लेना चाहिए। यदि अध्यापक के द्वारा उपयुक्त उदाहरणो का चयन पूर्व मे नही किया जाता है तो कभी कभी कक्षा मे शिक्षण के दौरान उस समय उचित उदाहरण सोचना कठिन कार्य हो जाता है तथा अनुपयुक्त और गलत उदाहरण दे दिए जाते है जिससे पाठ मे व्यवधान उत्पन्न होता है तथा शिक्षण का स्तर गिर जाता है। इस प्रकार की स्थिति मे छात्रों का अध्यापक के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण नहीं रह पाता है जिसके फलस्वरुप अध्यापक के प्रति उनकी धारणा भी बदल जाती है। अतः कक्षा मे पढाने से पूर्व अध्यापक को पर्याप्त सोच विचार के द्वारा उपयुक्त उदाहरणो का चयन करके उनका क्रम भी निर्धारित कर लेना चाहिए।

(iii) पाठ्योजना का निर्माण करना (Preparation of lesson plan) छात्रों के पूर्व ज्ञान, सहायक सामग्री तथा उपयुक्त उदाहरणों का चयन एवं निर्धारण करने के पश्चात अध्यापक को अपने प्रकरण से सम्बन्धित विस्तृत पाठ योजना भी तैयार कर लेनी चाहिए। पाठ योजना तैयार करने से अध्यापक को जानकारी हो जाती है कि कक्षा मे विभिन्न शिक्षण बिन्दुओं को किस क्रम मे पढाना है विभिन्न शिक्षण बिन्दु मे कौन सा उदाहरण देना है तथा किस प्रकार की सहायक सामग्री का प्रयोग करना है। पाठ्योजना के द्वारा अध्यापक को श्यामपट्ट कार्य मौखिक कार्य, लिखित कार्य, गृह कार्य तथा मूल्यांकन आदि बातों पर विचार करके ही कक्षा मे शिक्षण करना चाहिए

(iv) अभ्यास कार्य का महत्व (Importance of Drill work) अमुक सूत्र, सिद्धान्त, नियम, प्रकरण अथवा पाठ समाप्त हो जाने के पश्चात अभ्यास कार्य हेतु छात्रों को दिये जाने वाले प्रश्नों को भी निर्धारित कर लेना चाहिए।

Scanned with CamScanner